डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या–19
दिनांक– शुक्रवार, 06 मार्च, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.3 एवं 12.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 47 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 17.9 एवं दोपहर में 32.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(07–11 मार्च, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 07–11 मार्च, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- 10–11 मार्च के आसपास कुछ जिलों जैसे– समस्तीपुर, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी तथा शिवहर के कुछ स्थानों पर हल्की या छिटपुट वर्षा होने की संभावना है। बाकी दिनों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा, जबकि 10–11 मार्च को आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 18 से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन 10–12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 25 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- 9–10 मार्च के आसपास हल्की या बूंदा बूंदी वर्षा हो सकती है अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि कृषि कार्य सावधानी पूर्वक करें। अगर कोई भी कटी हुई फसल खेत में या बाहर है तो उसको सुरक्षित स्थान पर रखे। बाकी दिनों में मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- गरमा मक्का की सुवान, देवकी, गंगा–11 तथा शक्तिमान–1, 2, 3, 4 एवं 5 किस्मों की बुआई करें। खेत की जुताई से पहले प्रति हेक्टेयर 15–20 टन गोबर की खाद, 40 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर तथा 30 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें। बीज दर 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम कैप्टाफ या थीरम से उपचारित करें। रबी मक्का की फसल में धनबाल और मोचा निकलने से लेकर दाना बनने की अवस्था तक खेत में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहें।
- सूर्यमुखी की बुआई 10 मार्च तक पूरी कर लें। खेत की जुताई के समय 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30–40 किलोग्राम नत्रजन, 80–90 किलोग्राम फॉस्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर दें। उत्तर बिहार के लिए मोरडेन, सूर्या, डीआरएसएफ–108 और पैराडेविक संकुल किस्में तथा केबीएसएच–1, केबीएसएच–44, एमएसएफएच–8 और एमएसएफएच–17 संकर किस्में उपयुक्त हैं। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
- गरमा मूंग और उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। जुताई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नत्रजन, 45 किलोग्राम स्फुर, 20 किलोग्राम पोटाश और 20 किलोग्राम गंधक का प्रयोग करें। मूंग की पूसा विशाल, सम्राट, एसएमएल–668, एचयूएम–16 और सोना किस्में तथा उरद की टाइप–9, पंत उरद–19, पंत उरद–31 और उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं।
- शुष्क मौसम और बढ़ते तापमान के कारण थ्रिप्स कीट का प्रकोप बढ़ सकता है, इसलिए प्याज की फसल में इसकी नियमित निगरानी करें। यह अत्यंत सूक्ष्म कीट पत्तियों की सतह पर चिपककर रस चूसता है, जिससे पत्तियाँ टेढ़ी–मेढ़ी हो जाती हैं और उन पर धब्बे दिखाई देने लगते हैं, जो बाद में हल्के सफेद हो जाते हैं। इससे उपज में काफी कमी आती है। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो प्रोफेनोफॉस 50 ईसी 1 मिली प्रति लीटर पानी या इमिडाक्लोप्रिड 1 मिली प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। साथ ही प्याज के खेत में खरपतवार निकालें और 10–12 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते रहें।
- अगात बोई गई भिंडी की फसल में लीफ हॉपर कीट की निगरानी करें। यह हरे रंग का छोटा कीट होता है जो खेत में प्रवेश करते ही पौधों के पास से समूह में उड़ते दिखाई देता है। इसके शिशु और वयस्क दोनों पत्तियों के निचले भाग में रहकर रस चूसते हैं, जिससे पत्तियाँ किनारों से पीली होकर सिकुड़ जाती हैं और प्याले के आकार की बनकर धीरे–धीरे सूखने लगती हैं। इससे फलन प्रभावित होती है। इस कीट के प्रकोप पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मिली प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- जो किसान गरमा सब्जियों की खेती करना चाहते हैं वे शीघ्र बुआई करें। लौकी की अर्का बहार, काशी कोमल, काशी गंगा, पूसा समर, प्रोलिफिक लॉन्ग, पूसा मेघदूत और पूसा मंजरी किस्में उपयुक्त हैं। तरबूज की अर्का मानिक, दुर्गापुर मधु, शुगर बेबी और अर्का ज्योति (संकर) तथा खरबूज की अर्का जीत, अर्का राजहंस और पूसा शरबती किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित हैं। इसके अलावा नेनुआ की पूसा चिकनी, स्वर्ण प्रभा तथा करेला की अर्का हरित, काशी उर्वशी, पूसा विशेष और कोयंबटूर लॉन्ग किस्मों की बुआई करें। खेत की जुताई में 20–25 टन गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नत्रजन, 50 किलोग्राम फॉस्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर दें।

आज का अधिकतम तापमानः 31.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 15.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी